दिनाँक 26 अगस्त, 2015 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में "मीडिया और साहित्य का सह–संबंध" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ० रचना विमल (सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) से उपस्थित थी. उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि "मीडिया और साहित्य" एक दूसरे के पूरक हैं. इन दोनो में गहरा सम्बन्ध है. साहित्य और मीडिया दोनो ही सम्यक ज्ञान प्रदान कर समष्टिगत रुप से समाज का मार्ग प्रशस्त करते हैं. किसी भी समाज की सम्यक जानकारी उस समाज के साहित्य से होती है. स्वस्थ साहित्य ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है. वर्तमान युग में साहित्य की भूमिका आज का मीडिया नही निभा रहा है. उन्होंने पत्रकारिता की आदि से लेकर आज तक विस्तृत जानकारी देते हुए पत्रकारिता का साहित्य से संबंध बताया.

आज के युग में पत्रकारिता स्वस्थ विचार पैदा करके समाज की दिशा बदल सकती है. आज के भौतिक वादी युग मे समय के अभाव में मीडिया और सीरियल ही व्यक्ति और समाज का साहित्य बने हुए हैं. आज स्वस्थ माध्यम ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है.

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता ने हिंदी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द व उनके विभाग को हार्दिक बधाई दी साथ ही भविष्य में विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे ही व्याख्यान आदि कराने की प्रेरणा दी. समस्त विद्यार्थी अतिथि व्याख्याता डॉ० रचना विमल के व्याख्यान से लाभान्वित हुए एवं प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान किया. हिन्दी विभागध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द ने अतिथि व्यख्याता का स्वागत किया और डॉ० रेणु माहेश्वरी ने उनका संक्षिप्त परिचय देते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस डॉ० बाँके बिहारी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ. इस सुअवसर पर वरिष्ट प्रवक्ता श्रीमती कमल टंडन, श्रीमती मंजू गुप्ता इत्यादि उपस्थित थे.